जिला जनसंपर्क कार्यालय
जांजगीर–चांपा
छत्तीसगढ़
समाचार

सफलता की कहानी

मार्जिन मनी योजना से मिला स्वरोजगार

जांजगीर–चांपा जिले के बम्हनीडीह विकासखण्ड के ग्राम सारागांव निवासी दीपक कुमार अग्रवाल को राज्य शासन के ग्रामोद्योग विभाग जांजगीर द्वारा मार्जिन मनी योजना के माध्यम से स्वरोजगार प्राप्त हुआ साथ ही वे 10 से 15 युवकों को अपने उद्योग में रोजगार भी प्रदान कर रहे है।

श्री दीपक ने बताया कि वे बी.काम करने के बाद सरकारी नौकरी की तलाश में इधर–उधर भटकते रहे लेकिन उन्हें कहीं भी सरकारी नौकरी नही मिल पाई। इसी दौरान उन्होंने खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड रायपुर द्वारा संचालित मार्जिन मनी योजना के बारे में स्वयं का उद्योग धंधा स्थापित करने का विज्ञापन देखा और जिला पंचायत जांजगीर में पदस्थ प्रबंधक ग्रामोद्योग से संपर्क किया। प्रबंधक से योजना की संपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के बाद उन्होंने फेब्रीकेशन ईकाई की स्थापना के लिये ऋण प्राप्ति हेतु आवेदन पत्र भर कर भारतीय स्टेट बैंक सारागांव को स्वीकृति हेतु भेजा। बैंक द्वारा उद्योग स्थापना हेतु 10 लाख रूपये स्वीकार किये गये और तीन किश्तों में राशि प्रदान की गई।

श्री दीपक ने बताया कि मेरी फेब्रीकेशन वर्कशॉप में स्टील के विभिन्न प्रकार के सामान तैयार किये जाते है तथा इस ईकाई की स्थापना से न केवल मेरी आय का जरिया सुनिश्चित हो गया वरन् आज 10 से 15 कारीगर/मजदूर नियमित तौर पर मेरे फेब्रीकेशन वर्कशॉप से रोजगार प्राप्त कर रहे है। वे नियमित तौर पर बैंक का ऋण एवं ब्याज की अदायगी भी कर रहे है। दीपक इस योजना से पूर्ण रूप से संतुष्ट है तथा अन्य बेरोजगार युवकों को भी स्वयं का उद्योग लगाने का सुझाव देते हैं।

सफलता की कहानी

समतुल्यता ने बनाया अनिता को आंगनबाड़ी सहायिका

जांजगीर–चांपा, 29 जुलाई 09/ जिला मुख्यालय के नगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत नैला के रहने वाली अनिता सूर्यवंशी कम पढ़ी लिखी के कारण एक बार आंगनबाड़ी सहायिका बनने से वंचित रह गई थी क्योकि 8 वीं पास होना जरूरी है। यह सोच काफी निराश हुई लेकिन हिम्मत नही हारी, तब मन में ठान लिया कि 8 वीं पास होकर रहेगी।

श्रीमती अनिता सूर्यवंशी पति श्री महेशराम सूर्यवंशी की भाग्य का दरवाजा तब खुला जब सतत शिक्षा के अंतर्गत समतुल्यता कार्यक्रम में कक्षा 8 वीं की परीक्षा हेतु फार्म भरने का कार्य चल रहा था। सतत शिक्षा केन्द्र नैला के प्रेरक श्री रामधन लदेर ने मोहल्ले में जाकर अनिता से संपर्क किया तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वे तत्काल परीक्षा फीस जमा कर परीक्षा फार्म भर दी अनिता 8 वीं की परीक्षा पास करने के लिए तन–मन से जुट गई और परीक्षा पास कर ही सांस ली।

श्रीमती अनिता सूर्यवंशी मिलनसार और पारिवारिक कार्यक्रमों में भाग लेने के कारण महिलाओं ने आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए आवेदन करने कहा। आज वे आंगनबाड़ी सहायिका के रूप में कार्यरत है। इस प्रकार समतुल्यता अनिता के लिये वरदान साबित हुई।